Notes by Akhilesh Kumar (G T Assist. Professor)
J K College Biraul Darbhanga
YouTube : A commerce Education

Notes BY: AKHILESH KUMAR(Guest Teacher)

DEPARTMENT OF COMMERCE

JANTA KOSHI COLLEGE BIRAUL, DARBHANGA

FOR-LNMU B. Com part-2 Subsidiary paper -3 Indian economy and entrepreneurship development

***Unit- 5 Entrepreneurship Development* And For I. com**

Entrepreneurship Lecture-5

Easy to Understand the concept

लघु उत्तरीय प्रश्न (B com 2nd Year Short Answer Question)

प्रश्न १. उधमी के जाति वर्ग के उद्भाव को समझाइए |

(Explain the caste class emergence of entrepreneur.)

Ans- उधमी के जाति वर्ग का उद्भाव (Caste Class Emergence of Entrepreneur) :

इतिहास किस तत्व का साक्षी है कि भारत में अधिकांश उद्यमी वर्ग का उद्भव जाति के आधार पर ही हुआ है कुछ धर्म एवं जातियां उधमी निपुणता को प्रोत्साहित करते हैं जैसे- जैन, महेश्वरी, मारवाड़ी, पंजाबी, सिंधी आदि | इनका भारत के अधिकांश उद्योगों पर आज भी एकाधिकार है|

श्री एनo गंगाधर राव आंध्र प्रदेश की औद्योगिक बस्तियों में स्थित 87 उद्यमियों के किए गए सर्वेक्षण में यह निष्कर्ष निकाला कि अधिकांश उपकरणों पर वैश्यों का अधिकार है |

प्रश्न २. उधमी के पारिवारिक पृष्ठभूमि वर्ग के उद्भव को समझाइए /(Explain the family background class emergence of entrepreneur.)

Ans- उधमी का पारिवारिक पृष्ठभूमि वर्ग का उद्भव(Family Background Class Emergence of Entrepreneur) :

उधमी वर्ग के उद्भव में पारिवारिक पृष्ठभूमि की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है अपने परिवार को ऊंचा उठाने, परिवार के सदस्यों को कार्यक्रम पर लगाने, प्रतिष्ठा अर्जित करने आदि जैसे प्रवृतियों में उधमी वर्ग के उद्भव को अनेक प्रकार से प्रोत्साहित किया है, बिरला ग्रुप, टाटा ग्रुप, रिलायंस ग्रुप, Bajaj ग्रुप आदि उधमी के प्रारंभिक पृष्ठभूमि वर्क के प्रमुख उदाहरण हैं /

प्रश्न ३. उधमी तथा आंतरिक उधमी में अन्तर बताइये /

(Differentiate between Entrepreneur and internal Entrepreneur)

Notes by Akhilesh Kumar (G T Assist. Professor)
J K College Biraul Darbhanga
YouTube : A commerce Education

Ans-उधमी तथा आंतरिक उधमी में अन्तर

(difference between Entrepreneur and Internals Entrepreneur) :

आंतरिक उद्यमी वह व्यक्ति है जो उद्यमियों के अधीन कार्य करता है तथा उन पर ही आश्रित रहता है। आंतरिक उद्यमी पूंजी का निर्माण नहीं करता है। यह एक आश्रित व्यक्ति है अतएव इसमें स्वतंत्रता का आभाव होता है। आंतरिक उद्यमी जोखिम वहन नहीं करता है लेकिन यह नवीन विचारों की उत्पत्ति करता है।

उधमी एवं आंतरिक उद्यमी दोनों ही नई- नई खोज एवं संसाधनों से संबंधित है तथा दोनों ही किसी उपक्रम के संगठन एवं प्रबंध के कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते हैं वह धनी व्यक्ति है | जो अपनी नवाचार की विचारधारा सच्चाई को प्रारंभ करते हैं समस्त जोखिम वहन करता है तथा लाभ कमाता है इसके विपरीत आंतरिक उधमी वह व्यक्ति है जो आदमियों के अधीन कार्य करता है उन पर आश्रित रहता है आंतरिक व शब्द की उत्पत्ति सर्वप्रथम अमेरिका में हुई थी|

उधमी एव आंतरिक उधमी में मुख्यता निम्नलिखित अंतर है–

i. ***उधमी व्यवसाय का स्वामी होता है जबकि आंतरिक उधमी और उधमियो के अधीन कार्य करता है |***
ii. ***उधमी स्वयं विभिन्न स्त्रोतों से पूंजी जुटाता है जबकि आंतरिक उधमी का पूंजी जुटाने में कोई संबंध नहीं है |***
iii. ***उद्यमी अपने व्यवसाय के संचालन के संबंध में पूर्णता स्वतंत्र होता है जबकि आंतरिक उद्यमी उपक्रम के स्वामियों पर आश्रित रहता है |***
iv. ***उधमी संपूर्ण व्यवसाय की सारी जोखिम स्वयं वहन करता है, जबकि आंतरिक उद्यमी द्वारा व्यवसाय की जोखिम वहन करने का प्रश्न ही नहीं होता |***

v. ***उधमी व्यवसाय से बाहर का प्रबंध करता है, जबकि आंतरिक उधमी व्यवसाय का प्रबंधक होता है और संस्था के अंदर रहकर प्रबंध करता है ।***

vi. ***उधमी में पेशेवर योग्यता का होना आवश्यक नहीं है जबकि आंतरिक उधमी में पेशेवर योग्यता का होना आवश्यक है ।***